मासिक समाचार पत्र

RNI - MPHIN/2020/83379

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

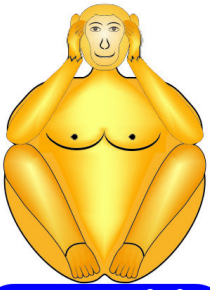

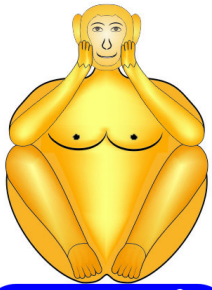

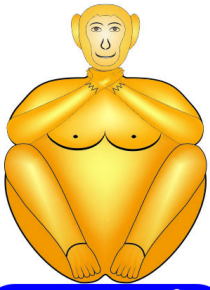

बुरा मत सोचो बुरा मत मानो बुरा मत करो

प्रधान संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

वर्ष -4 अंक-2 इन्दौर, 15 अप्रैल 2023 पृष्ठ - 8 मूल्य 1 रुपये

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

'घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है'

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से
वरिष्ठ पत्रकार वैद प्रकाशजी वैदिकजी को विनम्र श्रद्धांजलि

भारूका परिवार, इन्दौर के साथ

अत्रोलियाजी

श्रृतेष चन्द्रशेखरन

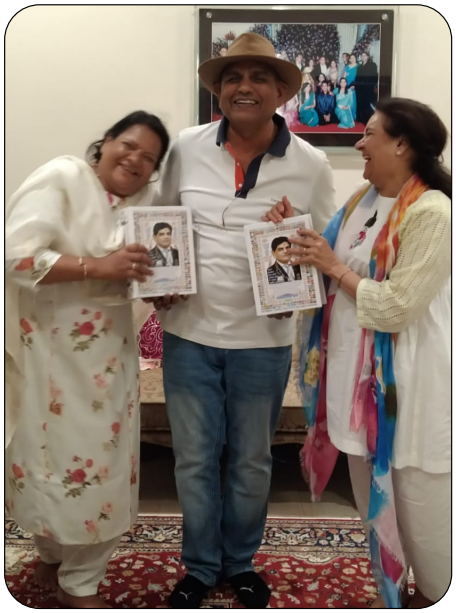

आधार जायसवाल, क्लास-1, शिशुकुंज स्कूल, धरमपुरी, सांवेर रोड़, इन्दौर

दैनिक भास्कर, इंदौर, रविवार, 26 मार्च, 2023 04

धर्म का विज्ञान

स्वामिनी विमलानंदा, चिन्मय मिशन ट्रस्ट

पैर छूने पर आशीर्वाद में सिर पर हाथ होता है, ये एनर्जी सर्किट है

जब हम झुककर बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श करते हैं तो हमारे शरीर की पैरासिम्पथेटिक तंत्र सक्रिय हो जाता है। इससे हमारे शरीर का ब्लड प्रेशर, हृदय की गति और सांस की गति कम होती है और पाचन तंत्र सुचारू होता है। कुल मिलाकर हमारा शरीर विश्राम की मुद्रा में आ जाता है। प्रणाम करने पर मन में स्वतः ही सकारात्मक भाव उत्पन्न होते हैं। आशीर्वाद स्वरूप हमारे सिर पर उनका हाथ होता है। दोनों ओर से सकारात्मक भावों से हमारा ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम प्रभावित होता है और पैरासिम्पथैटिक नर्वस सिस्टम सक्रिय हो जाता है। हमारे शरीर में मौजूद तंत्रिकाएं दिमाग से शुरू होती हैं और शरीर में एक जाल बुनते हुए हाथों और पैरों की अंगुलियों के सिरे पर खत्म होती हैं। हर पैर में लगभग 7000 तंत्रिकाओं के सिरे खुलते हैं।

चरण स्पर्श और आशीर्वाद की प्रक्रिया एक तरह का सर्किट बनाती है, वो इसलिए क्योंकि शरीर के दायें हिस्से में पॉजिटिव और बायें हिस्से में निगेटिव करंट होता है। जब हम बड़ों के समक्ष होते हैं तो ऊर्जा के आदान-प्रदान के दो तंत्र बन जाते हैं। पैर ऊर्जा के स्रोत की तरह काम करते हैं तो हमारी अंगुलियां और हथेलियां इस ऊर्जा के रिसेप्टर की तरह काम करते हैं।

जब हम वैदिक परंपराओं का अनुसरण करते हुए बड़ों का अभिवादन करते हैं तो प्रत्युत्थान यानी समक्ष खड़े होना, नमस्कार, उपसंग्रहण यानी चरण स्पर्श, साष्टांग और प्रत्यभिवादन- किसी भी मुद्रा से ऊर्जा का सर्किट पूरा हो जाता है। आगे झुकने से रक्त संचार भी बढ़ता है। हम उन लोगों के आगे झुकते हैं जो उम्र, रिश्ते,आध्यात्मिक ज्ञान, नैतिक शक्ति, सम्पत्ति , अनुभव या कीर्ति में हमसे बड़े होते हैं।अथर्ववेद के अनुसार चरण स्पर्श कर के हम सामने वाले के ज्ञान को ग्रहण कर अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित करने की अनुमति लेते हैं। महाभारत में जब यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा था कि कोई व्यक्ति महान और शक्तिशाली कैसे हो सकता है तो उन्होंने जवाब में कहा था अभिभावकों, गुरुओं और बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेकर।

धर्म का विज्ञान यह है कि- पैर छूने से शरीर का पैरासिम्पथेटिक तंत्र सक्रिय होता है, जो सुकून और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है।

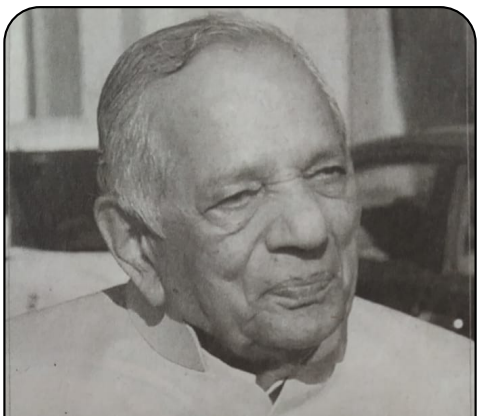

स्वप्नदृष्टा 'अभय'

जब गाथाएँ लिखी जाती हैं तो योद्धाओं, विजेताओं और नेतृत्वकर्ताओं का उल्लेख आता है। पर इंदौर की यशोगाथा में एक स्वप्नदृष्टा का भी उल्लेख रहेगा। ये शहर ऋणी रहेगा अभय छजलानी का। जिन्होंने नवअंकुरित सैकड़ों बीजों के सपनों को अपने मार्गदर्शन में बढ़ने का अवसर दिया। ऐसा ही नाम है विजिलेंस पब्लिसिटी का। 80 के दशक में विजिलेंस जैसे बीज को प्रस्फुटित होने से लेकर विशाल वटवृक्ष बनने तक आपका आशीष मिलता रहा।

विनम्र श्रद्धांजलि पद्मश्री अभय छजलानी जी

सदैव ऋणी

प्रमोद फरक्या एवं विजिलेंस पब्लिसिटी परिवार

"हर प्रयास गलतियों की शुरुआत से प्रारम्भ होता है।"
भारत सरकार नई दिल्ली, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने लिया संज्ञान
" घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है
मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है "
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार
काच्छी मोहल्ला इन्दौर में जन्में
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल
द्वारा समस्त आधार कार्ड धारकों को
हार्दिक-हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
बुरा मत सोचो
बुरा मत मानो
बुरा मत करो
आधार-कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी

हिंदी सुविचार
आज जो हम कागज देख रहे हैं इसका अविष्कार आज से करीब 2000 साल पहले चीन में रहने वाले काई लुन ने किया था दरअसल इनको कागज़ बनाने की प्रेरणा ततैया के घोंसले बनाने की प्रक्रिया से मिली थी।

श्री गणेशाय नमः ।। ॐ श्री हनुमते नमः ।। ।। श्री सदगुरुचरण कमलेभयो नमः ।।
अद्भुत प्राचीन स्वयंभू सिद्धपीठ दक्षिणामिमुखी हनुमान मन्दिर
स्थापना 13-04-1830 द्वारा अवधूत बाबा हीरादास जी
संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।
कवन सो काज कठिन जग माहीं, जो नही होए तात तुम पाहीं ।।
श्री अवधूत मण्डल पीठाधीश्वर अनन्त श्रीविभूषित परम पूज्य
महामण्डलेश्वर 1008 स्वामी सन्तोषानन्ददेव जी महाराज
– श्री अवधूत मण्डल परिवार, भारतवर्ष –
ईष्टदेव भगवान श्री हनुमान जी प्रकटोत्सव
आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपकी तीर्थनगरी हरिद्वार में स्थित अवधूत मण्डल आश्रम हीरादास हनुमान मन्दिर में आपके ईष्टदेव श्री हनुमान जी के प्रकटोत्सव पर (21000 साधु सन्तों एवं भक्तजनों के लिए) एक विशाल भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आप सभी आमन्त्रित हैं। सभी भक्तजनों से अनुरोध है कि विशाल भण्डारे में सामर्थ्यानुसार अधिक से अधिक तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर धर्म लाभ कमायें एवं पुण्य के भागी बनें। गुगल पेय नं0 9997732884, A/C यूनियन बैंक 342102010050931 IFSC-UBIN0534218
मूर्ति स्थापना व अनावरण
दिनांक 6 अप्रैल 2023, दिन बृहस्पतिवार को दोपहर 12.00 बजे
परम आदरणीय महामहिम श्री गुरमीत सिंह जी (राज्यपाल, उत्तराखण्ड प्रदेश) के कर कमलों द्वारा सम्पन्न होगा।
श्री तिरुपति बाला जी, श्री सहस्त्राबाहू अर्जुन, श्री त्रिपुरा सुन्दरी,
श्री गणेश जी, रिद्धि-सिद्धि एवं श्री कुबेर जी
विशिष्ट अतिथिः
श्रीमान पादनाईक जी
(राजमंत्री, भारत सरकार)
विशिष्ट अतिथिः
श्रीमान महन्त रघुमुनि जी
श्रीमान योग गुरु बाबा रामदेव जी
श्रीमान आचार्य बालकृष्ण जी
विशाल भण्डारा
चैत्र पूर्णिमा, दिनांक 6 अप्रैल 2023, दिन बृहस्पतिवार
हनुमान जी का पंचामृत, अभिषेक, षेडशोपचार पूजन,
हवन, छप्पन भोग, श्रृंगार......प्रातः 8 से 11 बजे तक
विशाल भण्डारा......प्रातः 11 से 10 बजे रात्रि तक
सुन्दरकाण्ड, भजन संध्या, झांकियां व सांस्कृतिक कार्यक्रम......सायं 5 बजे से 10 बजे तक
श्री अवधूत मण्डल आश्रम बाबा हीरादास जी हनुमान मन्दिर,
सिंहद्वारा, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
द्वारा आयोजन : समस्त श्रद्धालू एवं भक्तजनों के सहयोग से
सम्पर्क सूत्रः 01334-227071, 01334-227114, 9412071001, 9997732884

NOMINATE YOUR HEROES FOR
#PEOPLESPADMA 2022
शोक संदेश
स्वर्गीय प्यारेलाल जी जायसवाल काछी मोहल्ला वालो के बड़े पुत्र ,श्री सत्यनारण जी जायसवाल उज्जैन, श्री सुरेश जायसवाल कुंवा वाले, श्री सुभाष जायसवाल,श्री अशोक जायसवाल,श्री विजय जायसवाल के बड़े भाई,श्री राजेंद्र संतोष कुमार,श्री सुनील संतोष कुमार(आधार कार्ड जनक), स्वर्गीय शिवा जायसवाल, श्री संदीप जगदीश प्रसाद जायसवाल, श्री आनंद हरिशंकर जायसवाल श्री अविनाश खन्ना,श्री राजेंद्र जायसवाल खरगोन के ताऊजी , श्री सुभाष विद्याधर एवम् श्री राजेन्द्र जायसवाल बुराहनपुर के ससुर जी, जायसवाल समाज चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी एडवोकेट मन्नालाल जी जायसवाल का दिनांक 22 फरवरी 2023 बुधवार को शाम 8 बजे देहांत हो गया है।
उनकी शव यात्रा निवास स्थान 37 शंकर बाग कॉलोनी मरीमाता चौराहा से रामबाग मुक्ति धाम पर दाह संस्कार के लिए सुबह 10 बजे जायेगी।
शोकाकुल समस्त काछी मोहल्ला जायसवाल परिवार
भारत सरकार
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से
प्रणाम

आधार कार्ड जनक सुनील जासयवाल परिवार की ओर से रंगोत्सव पर्व होली, रंग पंचमी की रंगभरी हार्दिक शुभकामनाएं...
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार
आधार
काच्छी मोहल्ला इन्दौर में जन्में
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल
द्वारा समस्त आधार कार्ड धारकों को
हार्दिक-हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
बुरा मत सोचो
बुरा मत मानो
बुरा मत करो
भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल
आधार-कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी
आधार जायसवाल इन्दौर
कार्ड शिवहरे जबलपुर
विशिष्ठी जायसवाल इन्दौर

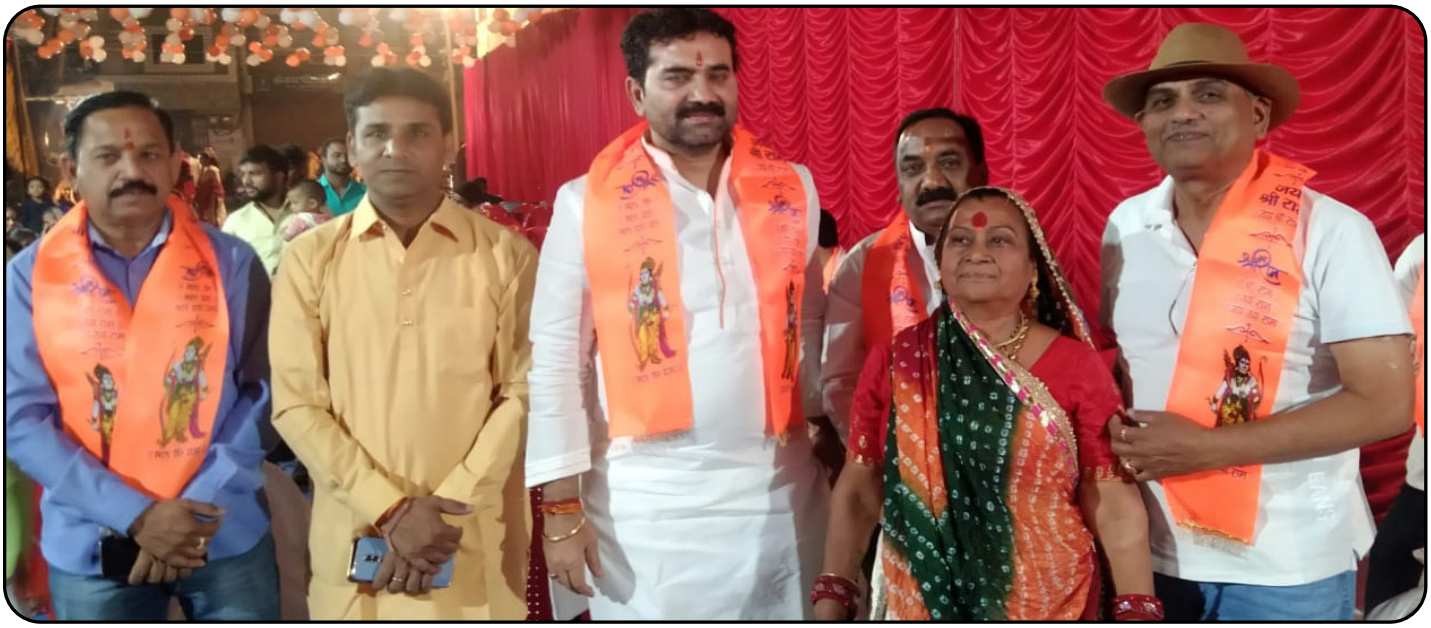

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि...

मेरी कलम से ❤ नमन

करता हूँ क्रांतीकारी वीर विचार धारा के उस महापुरुष को जिनकी सिर्फ विचारधारा ही नहीं सिर्फ वाणी ही नहीं बल्कि उनकी कलम मे भी वो ताकत हुआ करती थी जो मजाल है की उनकी कलम से लिखी हुई लाईन पर कोई उगंली उठा सके, नकार सके या गलत साबित कर सके।उनके मुह से निकले हुए शब्द सिर्फ शब्द ही नहीं होते थे बल्कि एक आदर्श जीवन का पैमाना हुआ करते थे उनके दिमाग से

" करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम "

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि...

मौसमी स्टेनलेस स्टील, मासूम जायसवाल, एके शर्मा

"करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम"

सोशल मिडिया पर प्रतिदिन प्रसारित
9827222811
https://youtu.be/xurY3eQlrSI
https://youtu.be/0XQf02Ub6fk
E-mail - aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com
http://www.aadhaarcardkejanaksuniljaiswalindore.com
सुविचार
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
सुनील जायसवाल
100 बिलियन+ जिनियस
लेखक–सुविचारक
I have to save house family and ours want it to get vaccination today itself.
II घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है II

ज़िद करी दुनिया बदली!
'बेधड़क' सच के आगे झूठ हुआ बेनकाब
प्रस्ताव/praposal
सांई प्रभात फेरी में शामिल हुए आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

पैन-आधार लिंक नहीं होने पर इस तारीख के बाद लगेगा 10,000 का जुर्माना, इन लोगों के लिए राहत

नईदिल्ली। पैन कार्ड को आधार से लिंक करने की डेडलाइन बढ़ा दी गई है। पैन को आधार से लिंक कराने की नई डेडलाइन 30 जून 2023 कर दिया गया है। पहले इसकी डेडलाइन 31 मार्च, 2023 थी। बता दें कि वर्तमान में आप 1000 रुपये का जुर्माना देकर आधार-पैन कार्ड को लिंक करा सकते हैं। अब 30 जून की नई डेडलाइन तक लिंक नहीं कराने पर आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो सकता है। इसके बाद लिंक कराने पर आपको 10,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। बता दें कि आयकर अधिनियम की धारा 272B के तहत 10,000 रुपये जुर्माने का प्रावधान है। आइए जानते हैं कि आखिर किसके लिए आधार और पैन कार्ड की लिंकिंग जरूरी है।

आयकर अधिनियम की धारा 139एए के मुताबिक वो हर यूजर जिसे 1 जुलाई, 2017 तक पैन कार्ड जारी किया गया और जिसके पार आधार कार्ड भी है, उसके लिए लिंकिंग जरूरी हो जाता है। हालांकि, यह लिंकिंग असम, जम्मू एंड कश्मीर और मेघालय के निवासी के लिए जरूरी नहीं है। इसके अलावा आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार एक अनिवासी भी आधार-पैन कार्ड को लिंक कराने के लिए बाध्य नहीं है। जो लोग पिछले साल तक 80 वर्ष या उससे अधिक की उम्र के हैं या भारत के नागरिक नहीं हैं, उनके लिए भी लिंकिंग जरूरी नहीं है। आयकर विभाग के मुताबिक जो लोग उपरोक्त श्रेणियों में से एक के दायरे में आते हैं और स्वेच्छा से अपने आधार को पैन के साथ जोड़ना चाहते हैं, उन्हें जुर्माने की रकम देनी होगी।

क्या होगा असर

आप डेडलाइन तक आधार और पैन कार्ड की लिंकिंग नहीं कराते हैं तो कई दिक्कतें आ सकती हैं। आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा तो इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में दिक्कत होगी। वहीं, टैक्स रिफंड भी अटक जाएगा। इसी तरह, दूसरे फाइनेंस के काम पर भी इसका असर पड़ेगा। पैन के निष्क्रिय होने पर पर बैंक अकाउंट खुलवाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा म्यूचुअल फंड और स्टॉक में निवेश पर भी दिक्कत आ सकती है।

पैन को आधार से लिंक करने नियम में बदलाव, लेट फीस भरने से पहले करना होगा ये काम

पैन और आधार दोनों ही आज के समय में हमारी पहचान के जरूरी दस्तावेज हैं. इनके बिना हम वित्तीय और सरकारी योजनाओं से जुड़े काम नहीं पूरा कर सकते हैं. इनकम टैक्स विभाग ने पैन को आधार से लिंक करने की अंतिम तारीख को बढ़ाकर 30 जून 2023 कर दिया है. एक जुलाई से ऐसे पैन कार्ड डिएक्टिवेट हो जाएंगे, जो आधार से लिंक नहीं होंगे. आधार से पैन को लिंक कराने के लिए जुर्माने के रूप में 1000 रुपये देने होंगे. इस बीच पैन को आधार से लिंक करने के फॉर्म में एक बदलाव किया गया है.

क्या बदलाव हुआ है?

पैन को आधार से लिंक करने के लिए अब लोगों को 1000 रुपये जुर्माने के रूप में भरने होंगे. जब आप पैन को आधार से लिंक कराने के लिए जुर्माना भरेंगे, तो इस दौरान आपको असेसमेंट ईयर का ऑप्शन मिलता है. इनकम टैक्स विभाग ने अब असेसमेंट को ईयर को अपडेट कर दिया है. लेट फीस के पेमेंट के लिए आपको असेसमेंट ईयर 2024-25 को चुनना होगा. पिछली डेडलाइन 31 मार्च 2023 थी, जिसके लिए असेसमेंट ईयर 2023-24 चुनना था.

अपडेट करना है बच्चों का आधार कार्ड

नईदिल्ली। अगर आपने भी अपने बच्चों का Aadhaar Card यानी बाल आधार कार्ड बनवा रखा है, तो उसे तुरंत अपडेट करा लीजिए। सरकार ने इसके लिए नई गाइडलाइन जारी की है। दरअसल, यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने हाल ही में बच्चों के आधार कार्ड को लेकर एक गाइडलाइन जारी की है जिसे बाल आधार कहा जाता है। अथॉरिटी की ओर से जारी की गई नई गाइडलाइन के मुताबिक पांच और 15 साल की उम्र वाले बच्चों के आधार डेटा में बायोमैट्रिक डिटेल्स अपडेट करना अनिवार्य है।

हाल ही में UIDAI ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि 5-15 साल के बच्चों की बायोमेट्रिक डिटेल्स अपडेट करना अनिवार्य है और ऐसा करने की प्रक्रिया एकदम फ्री है। इसके अलावा, अथॉरिटी ने एक अन्य ट्वीट में घोषणा की कि बायोमेट्रिक्स अपडेट करने के बाद बच्चे के आधार नंबर में कोई बदलाव नहीं होगा। इसलिए, अथॉरिटी ने माता-पिता को फॉर्म भरने और बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट करने के लिए नजदीकी आधार केन्द्र पर जाने की सूचना दी है।

जो लोग नहीं जानते हैं, उन्हें बता दें कि UIDAI एक सरकारी अथॉरिटी है, जो 12 अंकों के आधार को कंट्रोल करती है और पांच साल से कम उम्र के बच्चों को बाल आधार कार्ड जारी करती है। सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और लाभों तक पहुंच प्राप्त करने के लिए इस कार्ड की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, यह जन्म से बच्चों के लिए डिजिटल फोटो पहचान प्रमाण के रूप में अनिवार्य है।

क्या जनगणना में इस्तेमाल होगा आधार? मृतकों के आधार कार्ड का क्या? संसद में सरकार ने दिए बड़े सवालों के जवाब

नईदिल्ली। आधार कार्ड सरकारी योजनाओं के लाभ लेने या फिर कई सुविधाओं के लिए काफी अहम है. हालांकि, आधार कार्ड को जनगणना में इस्तेमाल करने का सरकार का फिलहाल कोई इरादा नहीं है. यही नहीं, मृतकों के आधार को वापस लेने, बंद करने की कोई व्यवस्था अभी नहीं है. ये सभी जानकारी आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने संसद में दिए अपने लिखित जवाब में दी है. कांग्रेस सांसद एडवोकेट अडूर प्रकाश ने आईटी मंत्री से पूछा था कि क्या आधार कार्ड को जनगणना में इस्तेमाल करने की सरकार की कोई मंशा है? आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने संसद में दिए लिखित जवाब में कहा, रजिस्ट्रार जनरल के ऑफिस और भारत के जनगणना आयुक्त ने बताया है कि आधार के डाटा को जनगणना में इस्तेमाल करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है.% वहीं, मृतकों के आधार कार्ड पर बताया कि, %वर्तमान में जन्म और मृत्यु के पंजीकरण के लिए राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त रिजस्ट्रारों में जन्म और मृत्यु की पंजीकरण अधिनियम 1969 के प्रावधानों के तहत आधार को निष्क्रिय करने के लिए मृत व्यक्तियों की आधार संख्या प्राप्त करने का तंत्र नहीं है। आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने सूचित किया है कि 28 फरवरी 2023 तक, उसके द्वारा 136 करोड़ से अधिक आधार संख्या जारी की जा चुकी है. मृत्यु की अनुमानित संख्या को एडजस्ट करने के बाद, जीवित आधार संख्या धारकों की अनुमानित संख्या 130.2 करोड़ है.ये 2022 के लिए अनुमानित संख्या का 94 फीसदी है. मृत्यु के पंजीकरण अधिनियम 1969 के तहत राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त अपने-अपने स्थानीय क्षेत्रों में जन्म और मृत्यु का पंजीकरण करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर,-452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)